प्रकाशन

सं0

जिला आर्थिक–सामाजिक पुनरिक्षण

जिला – सोनीपत

वर्ष – 2010–2011

जारीकर्त्ताः–

जिला सांख्यिकीय अधिकारी

योजना विभाग,सोनीपत ।

,,,,,,,,,,,,

आमुख

इस प्रकाशन का उद्देश्य जिला सोनीपत में पिछले एक वर्ष में हुए सामाजिक एंव आर्थिक तथा अन्य विकास कार्यो के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना है । उसमें जिला से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशुपालन, विद्युत, उद्योग, सड़क,तथा परिवहन, संचार, श्रम तथा रोजगार, सहकारिता, बैंक, शिक्षा, चिकित्सा, समाज कल्याण इत्यादि के अतिरिक्त बहुत से विविध विषयों पर सूचना के साथ साथ जनगणना 2001 के अनुसार जनसंख्या की सूचना उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है ।

यह प्रकाशन विभिन्न विभागों, अनुसंन्धान संस्थाओं और उन संस्थाओं एंव व्यक्तियों के लिये उपयोगी सिद्ध होगा जिनका जिला सोनीपत की सामाजिक एंव आर्थिक संस्थाओं तथा उनसे जुड़े हुए अन्य पहलुओं में रुचि है ।

मैं जिला सोंनीपत के विभिनन कार्यालयध्यक्षों का इस प्रकाशन के लिये सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग देने के लिये आभारी हुं । उनके सहयोग के बिना इस प्रकाशन को जारी कर पाना सम्भव नही था ।

अन्त में मै श्री कुलदीप सिहं, सहायक जिला सांख्यिकीय अधिकारी का प्रकाशन को संकलित करने तथा ग्राफ तैयार करने तथा इसको समय पर प्रकाशित करने के लिये आभार प्रकट करता हूं।

दिनांकः जुलाई , 2012

स्थानः सोनीपत ।

रणवीर सिंह देशवाल

जिला सांख्यिकीय अधिकारी

सोनीपत ।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनर्रिक्षण–जिला सोनीपत ।

विषय सूची

क्रम संख्य	विषय	पृष्ठ संख्या
परिशिष्ठ–1	सामाजिक–आर्थिक पुनरिक्षण – जिला सोनीपत	1–3
परशिष्ठ–2	स्थिति तथा भौतिक विशेषता	4–5
1	**स्थिति**	
	खनिज सम्पदा	
	नदियां	
	जलवायु तभा वर्षा	
	मिटटी	
	भू – जल विज्ञान	
2	**जनसंख्या**	6–11
	जनसंख्या के आंकड़े	
	घनत्व	
	ग्रामीण तथा शहरी जनसंख्या	
	0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या	
	मलिन बस्तियों की जनसंख्या	
	लिंगानुपात	
	0–6 आयु वर्ग के बच्चों का लिंगानुपात	
	मलिन बस्तियों में ल्रिगानुपात	
	साक्षरता–ग्रामिण व शहरी	
3	**वन**	11

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
4	**कृर्षि**	12–16
	भूमि का प्रयोग	
	कृर्षि जोतें	
	मुख्य फसलों का उत्पादन	
	अधिक उपजाउ फसलें	
	रासायनिक खाद का विवरण	
	पौधों की सुरक्षा के उपाय	
	कृर्षि यन्त्र तथा उपकरण	
	कृर्षि उपज बिक्रि संग्रह	
	समविन्त ग्रामिण विकास कार्यक्रम	
	भूमि विकास कार्यक्रम	
5	**सिंचाई**	16–18
	सिंचाई के साधन	
	फसलानुसार सिंचित क्षैत्र	
	सिंचाई की सघनता	
	नलकूप/पम्पिग सेट	
	बाढ़	
6	**पशुपालन तथा डेयरी**	
	पशुधन	18–19
	पशु चिकित्सालय सेवाऐं	
	डैयरी दुग्ध उत्पादन	
7	**मछली पालन**	19
8	**विद्युत**	20
	विद्युतिकरण शहरी/ग्रामिण	
	नलकूप	
	विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयांग	

कम संख्या	विषय	पृष्ठ सं0
9	**खनिज पदार्थ तथा उद्योग**	20–21
	खनिज उत्पादन	
	लघु उद्योग	
	बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग युनिट	
10	**सड़क तथा परिवहन**	21–22
	सडकों का लम्बाई	
	रेलवे स्टेशनों व हरियाणा परिवहन बस स्टेंन्ड की संख्या	
	राज्य परिवहन	
	सड़क दुर्घटना	
11	**संचार**	22
	डाकघर	
	दूरभाष केन्द्र	
12	**श्रम तथा रोजगार**	22–23
	औद्योगिक झगड़े	
	रोजगार केंन्द्र	
	मजदूरों की औसत देनिक आय	
13	**सहकारिता**	23–23
14	**बैंक**	25
15	**शिक्षा**	25–27
	विद्यालय तथा महाविद्यालय	
	अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	
	इन्जिनियरिंग कालेज,मुरथल सोनीपत ।	

क्रम सं0	विषय	पृष्ठ सं0
16	चिकित्सा तथा जनस्वास्थ्य	27–28
	स्वास्थ्य सेवाऐं	
	परिवार कल्याण प्रोग्राम	
	सुरक्षित पेयजल	
17	**कल्याण विभाग अनुसूचित जातियां व पिछड़े वर्ग**	28–29
	वृद्धावस्था एंव अन्य पैंन्शन	
18	**विविध**	30–32
	नगरपालिकाऐं	
	जिला राजस्व	
	रजिस्ट्करण	
	पुलिस तथा अपराध	
	हरियाणा सरकार के कर्मचारी	
	मनोरन्जन	
	टेलिविजन सैट	
	विकेन्द्रिकरण योजना	
	खेलकूद	
	राष्ट्रीय खेल प्राधिकरणप्रशिक्षण केंन्द्र	
	चुनाव तथा मतदान	
परिशिष्ट–3	जिला एक दृष्टि में	33

परिशिष्ट –1

जिला सामाजिक आर्थिक पुनर्रीक्षण जिला सोनीपत

———————————————————————————————

जिला सोनीपत हरियाणा के नक्शे पर 22.12.1972 को नौवें जिले के रुप में आया । पहले यह जिला रोहतक जिले में शामिल था । जब इसको अलग से स्थान मिला उस समय इसका क्षेत्रफल 2206 वर्ग किलोमीटर था । कुछ गांव दूसरे जिले में स्थानान्तरण किये जाने के फलस्वरुप अब इस जिले का क्षेत्रफल राजस्व रिकार्ड के अनुसार 2130.81 वर्ग किलोमीटर रह गया जबकि भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार इस जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 2206 वर्ग कि0मी0 है।

1. जिला सोनीपत में इस समय 336 गांव हैं जो 7 सामुदायिक विकास खण्डों में विभाजित हैं इस समय जिले में 3 उपमण्डल ,4 तहसीलें ओर 1 उप–तहसील है । जिले का क्षेत्रफल राजस्व रिकार्ड के अनुसार 2130.81 वर्ग किलोमीटर हैं, जो राज्य का 4.80 प्रतिशत है । 2001 की जनगणना के अनुसार जिले की जनसंख्या 1279175 हो गई है । इसमें 695723 पुरुष तथा 583452 स्त्रियां हैं । जिले की लिगंनुपात 839 है तथा साक्षरता दर 72.79 प्रतिशत है ।

2. जिला सोनीपत की जलवायु निश्चितता लिये हुए हैं अर्थात यहां पर गर्मियों में अधिक गर्मी तथा सर्दियो में अधिक सर्दी होती है । यहां का तापमान गर्मियों में अधिकतम 45 डिग्री सै.ग्रे0 तथा सर्दियो में 2 से 3 डिग्री सैं. तक गिर जाता है। वर्ष 2009 के दौरान वार्षिक औसत वर्षा 659.5 मि.मी. रिकार्ड की गई ।

3. वर्ष 2010–11 में गांव के प्रपत्रों के अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 213 हजार हैक्टेयर हैं । वर्ष 2009–10 में कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल 160 हजार हैकटेयर है जो कुल क्षेत्रफल का 75.11 प्रतिशत है । निबल बोया गया क्षेत्र 153 हजार हैक्टेयर है जो कृषि योग्य भूमि का 95.62 प्रतिशत है । एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र 138 हजार हैक्टेयर है जो निबल बोये गये क्षेत्र का 90.19 प्रतिशत है । इस प्रकार 2007–08 में कुल बोया गया क्षेत्र 291 हजार हैक्टेयर है । कुल बोये गये क्षेत्र का खाद्यानो के अर्न्तगत 87.62 प्रतिशत दालो के अधीन 1.72 प्रतिशत क्षेत्र है । गेहू के अधीन 48.45 प्रतिशत क्षेत्र है । जो कि सबसे अधिक है । इसके पश्चात धान का स्थान आता है जो 30.92 प्रतिशत है ।

4. जिले मे 3 मण्डियां तथा 9 सब यार्ड है । इन मण्डियों में मुख्य आमद गेहूं धान तथा आलू की है । जिले में अनाज संग्रहण करने के लिए गोदाम काफी संख्या में उपलब्ध है ।

5. वर्ष 2010–11 में नलकूप तथा पम्पिंग सैट जिले में सिचाई के मुख्य साधन रहे । जिनसे निविल सिंचित क्षेत्र का 42.61 प्रतिशत सिंचित किया गया है । शेष 57.39 प्रतिशत नहरो द्वारा सिचित किया गया है । वर्ष 2010–11 में नलकूप तथा पम्पिग सैट की संख्या 59113 रही । सिचाई की क्षमता का मुख्य भाग गेहूं तथा धान की फसलो में प्रयोग किया गया ।

6. जिले सोनीपत के सभी गावो का विद्युतिकरण हो चुका है तथा लगभग सभी गांव पक्की सड़को से जुडे हुए हैं ।

7. सहायक जिला रजिस्ट्रार सहकारी समितियां सोनीपत के अनुसार वर्ष 2010–11 में जिले में सभी प्रकार की 1853 सहकारी समितियां हैं, जिनकी सदस्यता 313421 है । जिसके अनुसार प्रति लाख व्यक्तियो के पीछे 145 समितियां कार्यरत है ।

8. जिला सोनीपत में चिकित्सा सेवाऐं विभिन्न संस्थाओ द्वारा प्रदान की जाती है । वर्ष 2010–11 जिले में 2 अस्पताल, 8 डिस्पेन्सरी, 149 सब सैन्टर एक क्षय रोग केन्द्र तथा 22 प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रो ओर 6सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो द्वारा सेवाऐ प्रदान की गई । वर्ष 2010–11 में जिले में 18 परिवार कल्याण केन्द्र थे जिनमे नलबन्दी तथा नसबन्दी के 4264 केस किये गये । उपरोक्त के अतिरिक्त जिला सोनीपत में 24 आर्युवेदिक डिस्पैन्सरियो हैं,जिसमें ब्राहय रोगी चिकित्सा की सुविधा है ।

9. वर्ष 2010—11 में जिला सोनीपत में 235 प्राथमिक पूर्व प्राथमिक बालवाडी सहित, 154 माध्यमिक तथा 452 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विघालय है । जिनमें 10 प्राथमिक 14 माध्यमिक तथा 46 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विघालय केवल छात्राओं के लिए है । इन विघालयो में 298267 विद्यार्थियो को शिक्षा प्रदान की गई । इनमे से 69803 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के है । उपरोक्त स्कूलो मे 10028 अध्यापक कार्यरत रहे ।

10. इसके अतिरिक्त वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में 10 कला तथा विज्ञान महाविद्यालय कार्यरत हैं । जिनमे कुल 15240 विद्यार्थी डिग्री स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं । जिनमे 1809 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के हैं ।

11. यह जिला अन्य जिलो की अपेक्षा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणिय हैं । जिला सोनीपत में 24 इन्जिनियरिग कालेज 5 पालिटेक्निक कालेज तथा 10 औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान विभिन्न तकनीकी पाठयक्रमो में शिक्षा प्रदान कर रहे है ।

परिशिष्ठ—2

1. जिला सोनीपत का राजस्व रिकार्ड के अनुसार कुल क्षेत्रफल 2130.81 वर्ग कि.मी. है जबकि भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 2206 वर्ग कि0.मी0. है जो राज्य के क्षेत्रफल का 4.80 प्रतिशत है। जिले में सोनीपत, गोहाना, गन्नौर तथा खरखौदा 4 तहसीले हैं जो 3 उपमण्डलो अर्थात सोनीपत, गोहाना, गन्नौर के अर्न्तगत आती हैं । जिले का मुख्यालय सोनीपत शहर में है ।

2. जिला सोनीपत में कुल 336 गांव हैं जिसमें 323 आबाद तथा 13 गैर आबाद गांव है ।यह सभी गांव 7 सामुदायिक विकास खण्डो के अधीन आते है। तहसील सोनीपत के अर्न्तगत सोनीपत, राई, तहसील गन्नौर में गन्नौर खण्ड तथा तहसील गोहाना के अर्न्तगत गोहाना, कथूरा व मुण्डलाना तथा खरखौदा तहसील के अर्न्तगत खरखौदा खण्ड आता है । जिला सोनीपत में 4 नगर तथा 321 ग्राम पंचायते हैं । पंचायतों की कुल सदस्य संख्या 3847 जिसमे 3524 पंच तथा 323 सरपंच हैं जिला सोनीपत में 3 मार्किट कमेटियां है। इसके अतिरिक्त 9 सब यार्ड हैं।

3. भौगोलिक विशेषताएं :— जिला सोनीपत का भू—क्षेत्र चपटाकार है तथा समुंद्र तल से 219 मी. ऊचा है । भूमि का बहाव मुख्यतः उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम की ओर है ।

4. खनिज सम्पदा :— जिला सोनीपत में कोई विशेष खनिज नही पाया जाता है । कई जगह पर शोरा तथा रेती निकाली जाती है ।

5. नदियां :— जिला सोनीपत में यमुना नदी पूर्व दिशा में बहती है । यह नदी बारह मासी है । कभी —2 यह वर्षा ऋतु में अपने किनारो से ऊपर बहने लगती है । जो कि खादर में बाढ का कारण बनती है ।

7. जलवायु तथा वर्षा :– जिला सोनीपत का मौसम गर्मियो में अधिक गर्म तथा सर्दियो में अधिक ठण्डा रहता है । मई तथा जून के महीनो में सबसे अधिक गर्मी होती है । इन दिनों में तापमान 43 डिग्री सै.ग्रे. से 45 डिग्री. सै.ग्रै. तक पहुंच जाता है। 2010 में वार्षिक औसत वर्षा 1265 मि0मी0 रिकार्ड की गई है।

8. मिट्टी :– जिला सोनीपत को मिट्टी के प्रकार से दो भागो में बांटा गया है। जो खादर तथा नरदक के नाम से प्रसिद्व है ।

1. खादर :– यह भाग नदी के साथ–साथ समतल जमीन वाला क्षेत्र है । जो कि जिले के हैडक्वाटर के चारो ओर 16 से 18 कि.मी.तक फैला हुआ हैं । यमुना नदी इस क्षेत्र से 5 फिट से 10 फिट नीचे बहती हे । बाढ़ द्वारा छोडी गई मिट्टी गेहूँ, धान तथ्ता ईख की फसल के लिये लाभदायक है ।

2. नरदक :– इस भाग में गोहाना तहसील के पश्चिम दिशा के गांव आते हैं यह भाग जिले के पश्चिम ओर उतर पश्चिम के मध्य स्थित हैं । पानी की सतह जमीन के बहुत नीचे है । इस भाग का पानी सिचाई के लिये भी लाभदायक नही है ।

9.क) भू–जल विज्ञान :– जिले में भू जल जमीन की सतह से 10.00 मी. से 25.00 मी. की गहराई में पाया जाता है । अधिकांश क्षेत्र में भू–जल स्तर की गहराई 25 से 30 मी. के मध्य में है । समुन्द्र तल से भूमि का जल स्तर 219 मी. से 225 मी. के बीच मे है । जिले में पिछले 27 वर्षो में भू –जल स्तर मे औसत 0. 25 मी. की दर से गिरावट आई है

ख) भू–जल संसाधन :–जिले में हर वर्ष जल स्तर गिरता जा रहा हैं । जिसको रोकने के लिए सरकार द्वारा भी इस जिले के सभी विकास खण्डो में प्रयास किये जा रहे हैं । जिसमें मुख्यतः राई, गन्नौर और सोनीपत विकास खण्डो का क्षेत्र आता है ।

जनसंख्या जनगणना –2001 के अन्तिम आकंड़ो के आधार पर

10. जनगणना के आकंडे :– जिला सोनीपत की जनसंख्या जनगणना 2001 के आकंड़ो के आधार पर 1279175 है । जिसमें 695723 पुरुष व 583452 स्त्रियां है । जबकि 1991 की जनगणना के आधार पर जिले की जनसंख्या 1045158 थी । जिसमें 567901 पुरुष व 477257 स्त्रियां थी 1991–2001 की अवधि में जिले की जनसंख्या 22.36 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई जबकि 1981–91 में दशकीय वृद्वि दर 24.53 थी हरियाणा राज्य की दशकीय वृद्वि दर मे भी बढोतरी हुई । यह दर 1981–91 में 27.4 प्रतिशत से बढकर 1991–2001 में 28.06 प्रतिशत हो गई है ।

	कुल जनसंख्या	पुरुष	स्त्रियां
ग्रामीण	9578000	521682	436118
शहरी	321375	174041	147334
कुल जनसंख्या	1279175	695723	583452

11. घनत्व :– भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिये गये भागोलिक क्षेत्र के आकड़ो के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 2206 वर्ग कि. मी. है, जो कि राज्य के क्षेत्रफल का 4.80 प्रतिशत है । जनगणना 2001 के आधार पर राज्य की 6.05 प्रतिशत जनसंख्या इस जिले में निवास करती है जिले में घनत्व 603 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है । जबकि राज्य का घनत्व 477 व्यक्ति प्रति कि.मी. है । जनगणना 1991 के अनुसार जिले का घनत्व 490 व्यक्ति प्रति कि.मी. था जबकि राज्य का घनत्व 372 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. था।

ग्राामिण तथा शहरी जनसंख्या

12. जनगणना 2001 के अन्तिम आंकड़ें के अनुसार जिले की लगभग 74.88 प्रतिशत जनसंख्या अर्ताथ 957800 ग्रामिण क्षैत्र में रहती हैं। जिसमें 521682 पुरुष तथा 436118 स्त्रियां हैं ।जिले की शहरी जनसंख्या 321375 है । जो कुल जनसंख्या का 25.12 प्रतिशत है । जिसमे 174041 पुरुष तथा 147334 स्त्रियां हैं ।ग्रामीण क्षेत्र में तहसील सोनीपत की 377822 जनसंख्या में 207192 पुरुष तथा 170630 स्त्रियां, गोहाना की 291370 जनसंख्या में 157178 पुरुष व 134192 स्त्रियां, गन्नौर में 146781 जनंसख्या में 79762 पुरुष व 67019 स्त्रिया खरखौदा की 141827 जनसंख्या में 77550 पुरुष व 64277 स्त्रियां हैं । शहरी क्षेत्र में सोनीपत नगर की 225074 जनसंख्या में 122480 पुरुष 102594 स्त्रियां, गोहाना की 48532 जनसंख्या में 25925 पुरुष व 22607 स्त्रियां गन्नौर की 29006 जनसंख्या में 15602 पुरुष 13404 स्त्रिया तथा खरखौदा की 18763 जनसंख्या में 10034 पुरुष व 8929 स्त्रियां हैं ।

	ग्रामीण जनसंख्या			शहरी जनसंख्या		
तहसील/ नगर	कुल व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	कुल व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
सोनीपत	377822	207192	170630	225074	122480	102594
गोहाना	291370	157178	134192	48532	25935	22607
गन्नौर	146781	79762	67019	29006	15602	13404
खरखौदा	141627	77550	64095	18763	10034	8729
कुल	957800	521682	436118	321375	174041	147334

जिला की ग्रामीण जनसंख्या 2001 में 957800 है । जो 1991 में 834637 थी इस तरह ग्रामीण जनसख्या में 14.71 प्रतिशत वृद्वि हुई । जिले की शहरी जनंसख्या 1991 में 210521 से बढकर 2001 में 321375 हो गई है । अतः शहरी जनसंख्या में 52.68 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई । जिला के चार नगरों में सोनीपत नगर की जनसंख्या एक लाख से अधिक होने के कारण श्रेणी–1 तथा गोहाना एवं गन्नौर तथा खरखौदा श्रैणी–3 के नगर हैं

13. 0–06 आयु वर्ग की जनसंख्या

जिला सोनीपत की जनगणना 1991 में 0–6 आयु वर्ग के बच्चो की सख्या कुल 18.76 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2001 में 15.36 रह गई है । जनगणना 2001 में 0–6 आयु वर्ग के बच्चो की सख्या 196479 है । जबकि 1991 में राज्य में राज्य 0–6 वर्ग के बच्चे की संख्या कुल जनसंख्या का18.76 प्रतिशत से घटकर जनगणना 2001 में 15.36 प्रतिशत रह गई ।

जिले के ग्रामीण क्षेत्र में 0–6 आयु वर्ग के बच्चे की जनसंख्या 151697 है, जो कुल ग्रामीण जनसंख्या का 15.84 प्रतिशत है । तथा शहरी क्षेत्र में यह संख्या 44782 जो जिला की कुल शहरी जनसंख्या का 13.93 प्रतिशत है।

14– मलिन बस्तियों की जनसंख्या

जिला सोनीपत मे सबसे अधिक 75454 व्यक्ति सोनीपत नगर की मलिन बस्तियां में रहते है । जो कि नगर की जनसंख्या का 33.52 प्रतिशत है । इसमें 40719 पुरुष तथा 34735 स्त्रियां है । 0–6 आयु वर्ग में बच्चो की 10872 जनसंख्या में 6232 पुरुष तथा 4640 स्त्रियां है ।

15— लिंगानुपात

जिला सोनीपत में जनगणना 2001 के अनुसार प्रति हजार पुरुष पर 839 महिलाओ का अनुपात है जो 1991 में 940 था । इससे स्पष्ट है कि स्त्री पुरुष अनुपात में 1991 की तुलना में 2001 में गिरावट आई हैं । हरियाणा राज्य में यह अनुपात 861 है जो सभी राज्यो में सबसे कम स्तर पर पहुंच गया है ।

जिला सोनीपत में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो मे यह अनुपात क्रमशः 836 व 847 है तथा तहसील स्तर पर अनुपात सोनीपत, गोहाना गन्नौर तथा खरखौदा में क्रमशः 824, 854, 840 तथा 829 तथा शहरी क्षेत्र के 4 नगरो सोनीपत, गोहाना, गन्नौर तथा खरखौदा में क्रमशः 838, 872, 859 तथा 870 है ।

16. 0—6 आयु वर्ग के बच्चो में लिगानुपात

जिला का 0—6 आयु वर्ग बच्चो का लिंगानुपात 788 है । ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में यह अनुपात क्रमशः 792 तथा 775 है । ग्रामीण क्षेत्र में चार तहसीलो सोनीपत, गोहाना, गन्नौर तथा खरखौदा में क्रमशः 784,802,802 तथा 781, शहरी क्षेत्र के 4 नगरों सोनीपत गोहाना गन्नौर तथा खरखौदा में क्रमशः 771, 769, 805 तथा 791 है ।

हरियाणा राज्य में स्त्री पुरुष अनुपात 819 है । ग्रामीण तथा नगरीय क्षैत्र में क्रमशः 823 व 808 है ।

17— मलिन बस्तियों में लिंगानुपात

जिला सोनीपत के नगरों में 33.52 प्रतिशत जनसंख्या मलिन बस्तियो में रहती है । इन बस्तियो में रहने वाली जनसंख्या में स्त्री पुरुष अनुपात 853 है मलिन बस्तियो की 0—6 आयु वर्ग की जनसंख्या में स्त्री पुरुष अनुपात 745 है।

18— साक्षरता

जनगणना 2001 में जिला सोनीपत में 800025 व्यक्ति साक्षर है । जिसमें 492650 पुरुष तथा 307375 स्त्रियां हैं । जनगणना 2001 में जिला मे 72.79 प्रत्यित साक्षरता की दर दर्ज की गई । जिला मे पुरुष साक्षरता दर 83.06 स्त्री साक्षरता दर 60.68 की तुलना में अधिक रही । जनगणना 1991 के अनुसार जिले में 50.21 व्यक्ति साक्षर थे । पुरुष साक्षरता दर 66.50 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता दर 33.50 प्रतिशत थी । जनगणना 2001 के अनुसार राज्य की साक्षरता दर 68.59 प्रतिशत है । पुरुष तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 79.27 तथा 56.31 है ।

19—साक्षरता ग्रामीण व शहरी

2001 की जनगणनुसार जिला में ग्रामीण क्षेत्र में 71.08 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर हैं । जिनमे 32.40 प्रत्यित पुरुष तथा 57.69 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर हैं । शहरी क्षेत्र मुें 81.36 प्रतिशत व्यक्ति पुरुष तथा 57.69 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर हैं । शहरी क्षेत्र में 81.36 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर हैं । जिसमें 88.50 प्रतिशत पुरुष तथा 73.07 प्रतिशत स्त्रियां हैं । जबकि 1991 की जनगणना के अनुसार ग्रामीण व शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः 47.37 तथा 61.48 प्रतिशत है ।

तालिका :— जिले की साक्षरता दर 2001 जनगणना

तहसील/नगर	ग्रामीण			शहरी		
	कुल	पुरुष	स्त्रियां	कुल	पुरुष	स्त्रियां
सोनीपत	74.14	85.40	60.59	82.45	88.96	76.70
गोहाना	68.43	80.24	54.79	79.45	87.64	70.23
गन्नौर	68.44	81.00	53.68	79.41	88.42	69.08
खरखौदा	71.02	80.12	60.17	75.98	84.98	65.81
कुल	71.08	82.40	57.69	81.36	88.50	3.07

ग्रामीण साक्षरता की दृष्टि से तहसील सोनीपत गोहाना गन्नौर तथा खरखौदा में साक्षरता दर 74.14, 68.45, 68.44, 71.02 प्रतिशत है । उक्त तहसीलो में पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 85.4, 80.24, 81.00, 80.12 प्रतिशत है । और स्त्री साक्षरता क्रमशः 60.59, 54.79, 53.68, 60.17, प्रतिशत है । शहरी साक्षरता दर में जिला के चार नगरो सोनीपत, गोहाना, गन्नौर तथा खरखौदा में साक्षरता दर क्रमशः 82.45, 79.45, 78.41, 75.98 है । उक्त नगरो में पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 88.96, 87.64, 88.42, 84.98 तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 74.79, 70. 23, 69.08 तथा 65.81 प्रतिशत है ।

20— मलिन बस्तियो में साक्षरता

जिला सोनीपत की सोनीपत नगर परिषद की मलिन बस्तियों की कुल जनसंख्या 75454 में 50676 व्यक्ति साक्षर हैं । जिनमें 30003 पुरुष तथा 20673 स्त्रियां है । इन बस्तियों में साक्षरता दर 78.47 प्रतिशत दर्ज की गई है । जिसमें पुरुष साक्षरता दर 87.00 तथा स्त्री साक्षरता दर 68.69 है ।

वन

21 —वनो के अधीन क्षेत्रफल

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2010—11 में लगभग 74 वर्ग कि.मी. क्षेत्र वनो के अधीन था । जो कुल क्षेत्रफल का 3.49 प्रतिशत है । इस समय जिला में 71 वर्ग कि.मी. सुरक्षित राज्य वन क्षेत्र तथा 3 वर्ग कि. मी. अवर्गीकृत वर्ग वन क्षेत्र में आता है ।

कृर्षि

22 — भूमि का प्रयोग

वर्ष 2009—10 में गांव पत्रो के अनुसार जिला सोनीपत का कुल क्षेत्र 213 हजार हैक्टेयर है । जिसमें से 0.47 प्रतिशत वनो के अधीन 0.94 प्रतिशत चराहगाह, 29.58 प्रतिशत गैर कृर्षि प्रयोजनो इत्यादि में तथा 69.01 प्रतिशत निबिल बोये गये क्षेत्र के अधीन रहा ।

23. वर्ष 2009—10 में कृषि योग्य भूमि 160 हजार हैक्टेयर है । जबकि निबल बोया गया क्षेत्र 153 हजार हैक्टेयर है । जो कि कृषि योग्य भूमि का 95.62 प्रतिशत है । एक बार से अधिक बार बोया गया क्षेत्र 138 हजार हैकटेयर है जो निबल बोये गये क्षेत्र का 90.19 प्रतिशत है । वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में कुल बोया गया क्षेत्र 291 हजार हैक्टेयर है

24 — तहसील सोनीपत, गोहाना तथा गन्नौर, खरखौदा में निबल बोया गया क्षेत्र क्रमशः 47 हजार, 61 हजार, 23 हजार तथा 22 हजार हैक्टैयर है । जो कुल निबल क्षेत्र का 30.7, 39.8, 15.03, तथा 14.38 प्रतिशत है । यद्वपि जिला सोनीपत का क्षेत्रफल केवल 2130 वर्ग कि.मी. है परन्तु खाद्वान्न उत्पादन में जिला दूसरे नम्बर पर रहा है।

25. कृषि जोते

कृषि गणना 2000—01 के अनुसार जिला सोनीपत में कुल 108013 कृर्षि जोते कार्यरत थी इन 108013 जोतों में से 73.97 प्रतिशत जोते 2 हक्टेयर से कम की 19.06 प्रतिशत 2 से 5 हैक्टेयर से कम 5.59 प्रतिशत 5 से 10 हैक्टेयर से कम 1.22 प्रतिशत 10 से 20 हैक्टेयर से कम व 0.15 प्रतिशत 20 हैक्टेयर तथा उससे ऊपर की थी ।

26. जिला सोनीपत की रबी की फसल गेहू, जौ तथा खरीफ की मुख्य फसले ईख, धान तथा मक्का है । वर्ष 2009—10 में कुल बोये गये क्षेत्र में से 90 हजार हैक्टेयर क्षेत्र धान के अधीन 141,0 हजार हैक्टेयर गेहू के अधीन था । जो कि कुल बोए गये क्षेत्र का क्रमशः 30,92 तथा 48,45 प्रतिशत था । जबकि वर्ष 2009—10 में कुल बोये गये क्षैत्र का 48.45 प्रतिशत गेहूं एवं 30.92 प्रतिशत धान के अधीन था । इसी प्रकार गन्ने का क्षेत्रफल वर्ष 2009—10 में 1,38 प्रतिशत, तेल बीज सूर्यमुखी सहित 1,03 प्रतिशत था ।

27. मुख्य फसलो का उत्पादन

फसलो के अधिक उत्पादन में प्राकृतिक साधनो में जैसे वर्षा जलवायु तथा उपजाऊ भूमि शक्ति का मुख्य योगदान रहा हैं । जिले की मुख्य फसलें गेहूं तथा धान है ।

28. वर्ष 2009—10 में गेहूं का उत्पादन 610.0 हजार टन चावल का उत्पादन 197.1 हजार टन था तथा गुड का उत्पादन 30.3 हजार टन तथा चावल की औसत उपज 2190 कि.ग्रा. गेहूं का 4323 कि.ग्रा. एवं गुड़ 7582 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर रही ।

तालिका :— मुख्य फसलो का औसत उपज कि.ग्रा. हैक्टेयर

फसले	2004—05	2005—2006	2006—07	2007—08	2008—09	2009—10
गेहूं	3979	4024	4574	4294	4863	4323
चावल	1879	2356	2620	2702	3158	2190
गुड	5808	6614	7667	6911	6330	7582

29. अधिक उपजाऊ किस्में

जिला सोनीपत में गेहूं तथा धान की अधिक उपजाऊ किस्मों के बीजो का प्रयोग हो रहा है । वर्ष 2009—10 में गेहूं के अधीन 100.0 प्रतिशत क्षेत्र तथा धान के अधीन भी 100,00 प्रतिशत क्षेत्र में अधिक उपजाऊ बीजो का प्रयोग हो रहा है ।

30— वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत से 58472 टन गेहूं तथा 187548 टन धान की सरकारी एजेन्सियों द्वारा खरीद की गई ।

31— रसायनिक खाद का वितरण

वर्ष 2010—11 में कुल खाद का उपयोग 155731 टन रहा । उपयोग में नाईट्रोजन 111406 टन तथा फासफोरस 40242 टन तथा पोटास का उपयोग केवल 4083 टन का रहा ।

32— पौधों की सुरक्षा के उपाय

वर्ष 2010—11 में 290,0 टन कीटनाशक दवाओ का उपयोग किया गया जो मुख्यतः गेहूं तथा धान की फसलो के अधीन क्षेत्र में किया गया ।

33—कृर्षि यन्त्र तथा उपकरण

पशु गणना 2010—11 के अनुसार जिले में उपयोग किये गये कृर्षि यन्त्र तथा उपकरणो में ट्रैक्टरो की संख्या 17486 थी कम्बाईन हारवैस्टर की संख्या 574 थी । जिसमें से 289 कम्बाईन हारवैस्टर ट्रैक्टर चालित तथा शेष 285 स्वंय चालित कम्बाईन हारवैस्टर थी । वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में 16339 चार पहियों वाले ट्रैक्टर कृर्षि के कार्य में प्रयोगरत हैं ।

34—कृषि उपज ब्रिक्री संग्रहण

वर्ष 2010—11 में सोनीपत में कृर्षि उपज की पूर्ति के लिये 3 मार्किट कमेटियां तथा 9 सबयार्डस द्वारा ब्रिक्री एवं खरीद करवायी गई । जिसमें मुख्य आमद धान, गेहूं, तथा आलू की फसल रही । इन सभी मण्डियो में 5.57 लाख टन कुल कृषि उत्पादन का आमद रही जबकि 2009—10ें कुल कृषि उत्पादक का आमद 5.33 लाख टन थी ।

35— वर्ष 2010—11 के दौरान सभी मण्डियो में गेहूं की आमद 241185 धान की आमद 217936 टन, आलू की आमद 16365 टन रही । सरसो, तौरियो तथा तारमीरा की आमद 305 टन तथा सुरजमुखी की शून्य टन रही ।

तालिका :— जिला सोनीपत में कृर्षि उत्पादन की आमद 00 टन में

	2006—07	2007—08	2008—09	2009—10	2010—11
गेहुं	491	535.5	672.7	2460.96	2411.85
धान	1640	1782.8	1973.61	2005.31	2179.36
आलू	134	123.6	109.33	169.64	163.65
सुरजमुखी	...	...	...	...	.....
सरसो / तौरियां	51	7.8	6.54	6.23	3.05
अन्य	13	11.5	12.63	126.5	.....
कुल	2788	2461.2	2738.81	4768.64	4757.91

36— इन मण्डियो में किसानो के रात के ठहरने के लिये किसान विश्राम गृह हैं तथा इसके अतिरिक्त पीने का पानी शैड आदि की सुविधाए प्रदान की जाती हैं

37— जिला सोनीपत में 2010—11 में सरकारी गोदामों की क्षमता 86575 टन थी।

38. ग्रामीण विकास कार्यक्रम

जिला सोनीपत में एजेंन्सी ने मार्च 1979 से अपनी स्थापना से ही ग्रामीण क्षेत्र में गरीबो के अभिशाप को समाप्त करने के लिये भरसक प्रयास कर रहे हैं और इसी दिशा में इसे न केवल शतप्रतिशत भौतिक एवं आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करने का श्रेय है । बल्कि यह गरीब ग्रामीण परिवारो के आर्थिक स्तर में वास्तविक वृद्वि लाने में सक्षम रही है । एजेंन्सी इस दिशा की ओर कारगर रुप से सक्रि इतना अधिक सहायता प्रदान करवा दे कि वह सदा के लिये गरीबी की रेखा को पार कर जाये । वर्ष 2009—10 में ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अर्न्तगत 1220 गरीब परिवार को 536,99 लाख रुपये के ऋण और 119.01 लाख रुपये का अनुदान वितरित किया गया । इन लाभन्वित परिवारो में से 639 परिवार अनुसूचित जाति से सम्बन्धित है । अतः कुल लाभन्वित परिवारो में से 52.37 प्रतिशत अनुसूचित जातियों से संबधित थे । इन लाभान्वित परिवारो में 650 महिलाए भी थी ।

39— भूमि विकास कार्यक्रम

जिला सोनीपत में वर्ष 2009—10 के दौरान 305 मि0टन जिप्सम डालकर 1325 एकड़ भूमि का सुधार किया गया जबकि 45 एकड भूमि समतल की गई ।

सिंचाई

40— सिचाई के साधन

वर्ष 2009—10 में निविल सिचित क्षेत्र 153000 है. था जो कि बोये गये निविल क्षेत्र का 95.32 प्रतिशत था स्रोतानुसार सिचाई के क्षेत्र में 42.98 प्रतिशत नलकूपो व अन्य साधनो से तथा 56.02 प्रतिशत नहरो का योगदान रहा । नलकूपो द्वारा कुल 68 हजार हैं. तथा नहरो द्वारा 87 हजार हैं. भूमि की सिचाई की गई ।

41. वर्ष 2008—09 में कुल सिचित क्षेत्र कुल बोयें गये क्षेत्र का 97.61 प्रतिशत है । जोकि वर्ष 2007—08 में निविल सिचित क्षेत्र निबल बोये गये क्षेत्र का 98.00 प्रतिशत रहा ।

42—फसलानुसार सिचित क्षेत्र

वर्ष 2008—09 में फसलानुसार कुल बोया गया निबल क्षेत्र 1550 हजार हैं0 था जो 95.38 प्रतिशत सिचित था । फसलानुसार सिचित क्षेत्र का स्थिति इस प्रकार रहा । गेहूं के अधीन 48.93 प्रतिशत धान के अधीन 31.11 प्रतिशत गन्ने के अधीन 4.55 प्रतिशत मक्की के अधीन 0.34 प्रतिशत अन्य अखाद्य फसले तेल बीजो सहित 1,74 प्रतिशत था ।

तालिका :— जिला सोनीपत में सिचित क्षेत्र की स्थिति (000) हैं0 है ।

	2004—05	2005—06	2006—07	2007—08	2008—09
गेहूं	131	142	140	140	141
धान	16	71	68	71	91
गन्ना	16	13	13	11	06
मक्का	1	1	1	1	
तेल बीज एवं अन्य फसलों सहित	7	67	50	64	44
कुल	171	294	272	287	282

43— सिचाई की सघनता

वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में कुल सिचित क्षेत्र 264.2 हजार है0 तथा निविल सिचित क्षेत्र 148.1 हजार है0 था जिसके अनुसार सिचाई की सघनता 96.7 प्रतिशत रही ।

44— नलकूप पम्पिग सैट

वर्ष 2009—10 में नलकूपो तथा पम्पिंग सैटों का सख्या 43600 है ।

45 — बाढ

जिला सोनीपत में 8 न0 ड्रैन के दिनों में काफी पानी आ जाने के कारण कई जगह बाढ आ जाती है । जबकि वर्ष 2008—09 में जिला बाढ़ से प्रभावहीन रहा ।

पशुपालन तथा डेयरी

46— पशुधन

वर्ष 2009—10 की पशु गणना के अनुसार जिला सोनीपत में पशुधन की संख्या 478000 तथा कुकुट संख्या 16112000 थी । इन पशुधन में से 14,.69 प्रतिशत गाय व बैल 76,.27 प्रतिशत भैंसे 3,05 प्रतिशत भेड, 2,07 प्रतिशत बकरी 0. 38 प्रतिशत घोडे तथा खच्चर तथा 3,.54 प्रतिशत ऊंट सूअर तथा कुत्ते थे।

47— जिला सोनीपत में पशु गणना 2008 के अनुसार प्रति हजार मनुष्यों के पीछे 54 पशु, 285 भैंसे, 1 घोडे तथा 2 खच्चर , 11 भेडे, 8 बकरियो तथा 1259 कुकुट आदि थे ।

48— पशु चिकित्सा सेवाऐ

वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में पशु चिकित्सा सेवायें प्रदान करने के लिये 51 पशु चिकित्सालय 87 डिस्पैन्सरिया एक क्षेत्रिय कृत्रिम गर्भादान केन्द्र तथा 4 स्टाकमैन केन्द्र तथा 2 कुकुट आदि विस्तार केन्द्र कार्यरत थे ।

49— सभी संस्थाओ द्वारा वर्ष 2009—10 में 356000 पशुओ का ईलाज दिया गया । इस वर्ष के दौरान 35000 गाय तथा 105000 भैंसों का कृत्रिम गर्भादान करवाया गया। जिला सोनीपत में सघन पशुधन विकास परियोजना के अर्न्तगत एक मध्यम प्रकार की परियोजना कार्य कर रही है । जिसके अर्न्तगत वीर्य बैंक हैं । जिला सोनीपत में 2009—10 में 11 विकसित गोशाला थी तथा गोशाला संघ से संबधित गोशालाओ की संख्या 10 थी ।

50 डेरी दुग्ध उपादन

दुग्ध उत्पादन कृषकों के लिये अतिरिक्त आय का एक मुख्य साधन है । 2008 की पशु जनगणना अनुसार कुल अथार्त 478000 में से 123400 दुधारु पशु थे

51. जिला सोनीपत में एक दुग्ध केन्द्र बना हुआ है जो कि सोनीपत शहर में लगा हुआ है ।

मछली पालन

52. वर्ष 2009—10 मे मछली पालन में कुल 23301.53लाख रुपये की आय हुई तथा वर्ष के दौरान 200 लाईसैन्स जारी किये गये ।

53. मछली पालन के लिये कुल 1187.7 हैं0 भूमि को प्रयोग मे लाया गया ।

54. वर्ष 2009—10 में 6304 टन मछलियो का विपणन किया गया ।

विद्युत

55. गांव जिले में स्थित सभी शहरो तथा गांव का विद्युतिकरण हो चुका है ।

56. नलकूप

वर्ष 2009—10 में सोनीपत जिले में विद्युतिकृत नलकूपो की संख्या 20944 थी।

57. विभिन्न परियोजनाओ में विद्युत का उपयोग

सोनीपत जिले में वर्ष 2009—10 में 5697.091 कि0 मी0 एल0टी0 लाईनें 4287.349 कि0मी0 11 के0वी0 लाईन्च तथा 11282 ट्रांसफारमर थे । इस प्रकार जिला सोनीपत में संयोजन की संख्या 277137 हो गई है । कुल संयोजनो में 83. 42 प्रतिशत घरेलू 7 प्रतिशत वाणिज्य 1.60 प्रतिशत औद्यौगिक, तथा 7.66 प्रतिशत कृर्षि , शेष 0.32 प्रतित्यत अन्य उपयोगो के लिये थे ।

58. जिला सोनीपत में बिजली का उत्पादन नही होता । जिले में वर्ष 2009—10 के दौरान 11695.59 लाख किलोवाट बिजली की खपत हुई । जिसमें 2060.68 लाख कि.वाट घरेलू 528.75लाख कि0वाट वाणिज्यकी 4998.10 औद्योगिक 27.88 सार्वजनिक प्रकाश 277.63 सार्वजनिक जलपूर्ति 3675.58 कृर्षि 38.45 कार्यालय वर्कशाप इत्यादि तथा 88.52 मात्रा में अन्य उपयोग करने वाले समायोजनो द्वारा खपत की गई ।

खनिज पदार्थ तथा उद्योग

59. खनिज उत्पादन जिला सोनीपत में यमुना रेत के अतिरिक्त अन्य कोई खनिज नही पाया जाता । यमुना रेत जो कि भवन निर्माण आदि के काम आता है इस जिले में बहुत अधिक मिलता है ।

60. लघु उद्वोग युनिट वर्ष 2008 में जिला सोनीपत में कुल 594 रजिस्टर्ड फैक्टरिया कार्यरत थी जिनमे से 523 धारा 2 एम (1) तथा 71 फैक्टरिया धारा 85 के अधीन रजिस्टर्ड थी । जिनमे अनुमानित 35886 कार्यकर्ता कार्य कर रहे थे । जो कि जो राज्य के कुल फैक्टरियो के कार्यकताओ का 5.11 प्रतिशत है ।

61. बडे तथा मध्यम स्तरीय यूनिट

जिला सोनीपत में निम्नलिखित बडे तथा मध्यम स्तर के उद्वोग स्थित हैं ।

1—मैसर्ज एटलस साईकिल इण्डस्ट्राज लि0 सोनीपत ।

2—हरियाणा स्टील एण्ड एर्लाम इन्डस्ट्रीज जी0टी0 रोड मुरथल, सोनीपत ।

3—ई.सी.ई. लि0 सोनीपत ।

4—दी सोनीपत को—ओ0 शुगर मिल, सोनीपत

5—देवी लाल को0ओ0 शुगर मील गोहाना ।

6—ओसराम इण्ड0 लि0 सोनीपत ।

सड़क एंव परिवहन (सड़कों की लम्बाई)

62— लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़क) शाखा द्वारा सारा वर्ष सडको की देख रेख की जाती है । वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में 1350 कि0मी0 पक्की सडके थी । वर्ष 2008—09 में जिले के सभी गांव सड़को से जुडे हुए है ।

63. रेलवे स्टेशनो एवं हरियाणा परिवहन बस स्टैंटों की संख्या

प्रायः जिले के सभी गांव पक्की सड़को से जुडे हुए हैं । वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में हरियाणा परिवहन सोनीपत का सोनीपत, गोहाना, गन्नौर तथा खरखौदा में बस स्टेण्ड है । जिला सोनीपत में 10 रेलवे स्टेशन है और रेलवे लाईनो की लम्बाई लगभग 62 कि.मी0 है ।

64. राज्य परिवहन

जिला सोनीपत में हरियाणा राज्य परिवहन का एक डिपो है । जिसमें 192 बसें जिले के भीतर व राज्य तथा अर्न्तराज्यि रुटो पर चलाई जा रही है । इन बसो द्वारा वर्ष 2009—10 में 217.93 लाख कि0मी0 दूरी तय गई । जिससे 3736.15 लाख रुपये की आय हुई । इन बसो में प्रतिदिन औसत 57429 यात्रियो द्वारा यात्रा की गई ।

65. सड़क दुर्घटनाए

वर्ष 2009—10 में 774 दुर्घटनाऐं घटी जिसमें 774 गाड़िया दुर्घटनाग्रस्त हुई । इन दुर्घटनाओ में 323 व्यक्ति मारे गये तथा 757 व्यक्ति घायल हुए ।

संचार

66. डाकघर व तारघर

वर्ष 2009—10 में जिले में 177 डाकघर तथा 2 तारघर कार्य कर रहे हैं । प्रति लाख व्यक्तियो के पीछे 14 डाकघर कार्य कर रहे हैं । इसके अतिरिक्त जनता की सुविधा के लिये 365 लैटरबाक्स की संवाऐ प्रदान की गई हैं ।

67. वर्ष 2009—10 के दौरान जिला सोनीपत में 74217 दुरभाष कार्य कर रहे हैं । जो 69 दूरभाष केन्द्रो से जुड़े हुए है । इसके अतिरिक्त मोबाईल फोनों की काफी सेवाऐं है ।

श्रम तथा रोजगार

68. औद्योगिक झगडें

वर्ष 2009 के दौरान जिला सोनीपत में 180 औद्योगिक झगडे रिपोर्ट किये गये तथा 0 ताला बन्दियां हुई

69. रोजगार

जिला सोनीपत में 31 मार्च 2010 को 47972 व्यक्ति संगठित क्षेत्र में रोजगार में थे जिनमें से 18277 व्यक्ति सार्वजनिक क्षैत्र में 29665 व्यक्ति निजि क्षेत्र में लगे हुए थे ।

70. जिला सोनीपत में 3 रोजगार कार्यालय एवं व्यवसायिक मार्गदर्शन हेतू सूचना केन्द्र कार्यरत है । इन रोजगार कार्यालयो में वर्ष 2009 के दौरान 16087 व्यक्तियो द्वारा रोजगार हेतू पंजीकरण करवाया गया । जिससे कुल पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियो की संख्या 5037 हो गई । इन रोजगार केन्द्रो से 19 नियोजको द्वारा सेवाऐ ली गई तथा कुल 28 व्यक्तियो को रोजगार उपलब्ध करवाया गया ।

71. जिला सोनीपत में वर्ष 2008 के दौरान 9395 दुकानो में 3332 कर्मचारी 29 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 243 कर्मचारी 111 होंटल तथा जलपान गृहों में 475 कर्मचारी कार्यरत है ।

72.मजदूरी की औसत दैनिक आय

वर्ष 2009 के दौरान जिला सोनीपत में कुशल कार्यकर्ताओ जेसे बढ़ई और लोहार की दैनिक मजदूरी 300 रुपये थी, हल चलाने वाले कृर्षि श्रमिक की दैनिक मजदूरी 250 रुपये थी तथा बिजाई के लिये 220 रुपये गोडाई 180 रुपये तथा अन्य कृर्षि संबधि मजदूरी की दर 200 रुपये प्रतिदिन रही ।

सहकारिता

73. सहकारिता वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में 1843 सहकारिता समितियां थी जिसके सदस्यो की संख्या 308394 थी ।

74. वर्ष के दौरान इस सहकारी समितियो में 7590.70 लाख़ रुपये हिस्सा पूंजी 8034.22. लाख़ रुपये निजि पूजी थी जबकि कार्यपूजी 90523.33 लाख़. रही । इस प्रकार वर्तमान सीमा अनुसार 2001 जनंसख्या के आधार पर प्रति व्यक्ति औसत कार्यपूजी 7076 रुपये थी ।

75. प्रति लाख व्यक्तियो पर समितियो की संख्या 144 थी जबकि प्रति हजार जनसंख्या पर सब प्रकार की समितियों के सदस्यो की संख्या 241 थी ।

76. सभी 1843 सहकारी समितियो एवं बैको में से एक केद्राय सहकारी बैंक 23 कृर्षि ऋण, 18 गैर कृर्षि ऋृण, 1 केंद्रिय भूमि विकास बैक, 13 विपणन 1 गन्ना पूर्ति 106 दुग्ध पूर्ति 4 उपभोक्ता समितियो/कन्जयूमर स्टोर 1215 आवास समितियां 3 खेती समितिया तथा शेष 540 अन्य प्रकार की समितियां थी ।

77. वर्ष 2008—09 में जिला सोनीपत में एक ही केन्द्रीय सहकारी बैंक था । जिसकी 35 अन्य शाखाऐ थी । इनमें हिस्सा पूंजी 1586.44 लाख रुपये निजि पूंजी 3591.81 लाख रुपये जबकि कार्यपंजी 41706.38 लाख रुपये रही । वर्ष के दौरान बैंक द्वारा दिया गया कर्ज 33815.00 लाख रुपये था इसके द्वारा 23.21 लाख रुपये की हानि हुई ।

78. वर्ष 2008—09 में जिला में 1 कृर्षि भूमि विकास बैंक थे । जिसमें हिस्सा पूंजी 167.52 लाख रुपये निजि पूंजी 466.11 लाख रुपये जबकि कार्य पूंजी 14177.68 लाख रुपये थी । वर्ष के दौरान इन बैंको द्वारा 3473.26 लाख रुपये का कर्ज दिया गया जिसमें 174.00 लाख रुपये का कर्ज टयूबवैलो को लगाने हेतू दिया गया ।

तालिका :— जिला सोनीपत में केन्द्रीय सहकारी बैंक

	2001—02	2004—05	2006—07	2008—09	2009—10
शाखाओ की संख्या	19	20	20	35	35
हिस्सा पंजी लाखो में	990.00	293.00	196.00	1585.73	1586.44
निजि पूंजी	2214.00	1083.00	3269.00	3833.46	3591.81
कार्य पूजी	23750.00	32591.00	36946.00	38669.32	41706.38
जमा राशि	10547.00	13007.00	15112.00	2408.76	24443.03
वर्ष के दौरान दिया गया कर्जा	20329.00	14360.00	43647.00	30230.07	33815.00
लाभ वर्ष के दौरान दिया गया	61.00	213.00	— 40.00	171.42	23.21

79. जिला सोनीपत में वर्ष 2009—10 में 172 अनुसूचित वाणिज्य बैंक के कार्यालय थे । जिनमें से 45 प्रतिशत ग्रामीण तथा 55 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में थे ।

80. प्रति बैंक द्वारा 8585 व्यक्तियो को सेवायें प्रदान की गई ।

81. 31 मार्च, 2010 तक 5808.00 करोड़ रुपये जिला सोनीपत में अनुसूचित वाणिज्यक बैंको में जमा थे । जिसमें से 1285.00 करोड़ रुपये त्रृण के रुप में दिये गये इस प्रकार ऋण तथा जमा में अनुपात 72.27 था ।

82. सबसे अधिक त्रृण कृर्षि एवं संबधित कार्यो के लिये प्रदान किये गये प्रति व्यक्ति जमा धन राशि 21967 रुपये थी ।

शिक्षा

83. विद्यालय तथा महाविद्यालय

जिला सोनीपत में वर्ष 2009—10 के दौरान 214 प्राथमिक 151 माध्यमिक तथा 423 उच्च तथा माध्यमिक उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रो में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं । इन प्राथमिक माध्यमिक तथा उच्च एव वरिष्ट माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयो में कमशः 1227, 1646, 8930 अध्यापक कार्यरत थे । इस प्रकार जिला में इन विद्यालयो में कुल 11862 अध्यापक कार्यरत थे।

84. वर्ष 2009—10 के दौरान 306653 विद्वार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे । जिनमें से 34369 विद्यार्थी प्राथमिक विद्यालयो में 31474 माध्यमिक विद्यालयो में तथा शेष 240810, विद्यार्थी उच्च एवं वरिष्ट माध्यमिक विद्यालयो में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जो कि कुल का 12 , 10 तथा 78 प्रतिशत है ।

85. वर्ष 2009—10 जिला सोनीपत में अनुसूचित जाति के कुल 69952 विद्यार्थियों ने मान्यता प्राप्त विद्यालयो में शिक्षा ग्रहण की जो कुल विद्वार्थियो का 23 प्रतिशत है । इनमें 8478, विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्वालयो में 10576 माध्यमिक विद्यालयो में तथा शेष 51898, विद्यार्थी उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयो में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे । जों कि क्रमशः 13, 15 और 72 प्रतिशत है ।

तालिका :— मान्यता प्राप्त विद्यालयो में विद्यार्थियो की संख्या वर्ष—2009—10

	कुल विद्वार्थी			अनुसूचित जाति के विद्वार्थी		
	कुल	छात्र	छात्राऐं	कुल	छात्र	छात्राऐं
प्राथमिक	34369	18389	15980	8478	3908	4570
माध्यमिक	31474	16971	14503	10576	5588	4988
उच्च/वरिष्ठ	240810	134102	106708	51898	26940	24958
जोड़	306653	169462	137191	69952	36436	33516

86. जिला सोनीपत में प्रति अध्यापक छात्र अनुपात क्रमशःप्राथमिक स्कूलों में 50, माध्यमिक स्कूलों में 38 और उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 33 छात्र प्रति अध्यापक था

87. इसके अतिरिक्त प्राईमरी शिक्षा के लिये बाल विकास परियोजना के अर्न्तगत सोनीपत, गोहाना, गन्नौर, खरखौदा, राई, मुण्डलाना तथा कथूरा में 1071 आगंनवाडी केन्द्र कार्यरत थे ।

88. इसके अतिरिक्त जिला सोनीपत में वर्ष 2009—10 में 10 कला/विज्ञान महाविद्वालयो में 12273 विद्वार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । जिसमें 1321 विद्वार्थी अनुसूचित जाति से सबंधित थे ।

89. अन्य प्रशिक्षण केन्द्र कार्यक्रम

व्यवसायिक शिक्षा के लिये जिले में 5 इन्जिनियरिग कालेज एक आयुवैदिक कालेज एवं 38 शिक्षा महाविधालय व्यवसायिक शिक्षा प्रदान कर रहे है ।

90. तकनिकी शिक्षा प्रदान करने के लिए जिला सोनीपत में 4 औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान 3 बहुतकनिकी संस्थान तकनीकी शिक्षा प्रदान कर रहे है ।

91. इन्जिनियरिग कालेज

जिला सोनीपत में 5 इन्जिनिंयरिग कालेज है । वर्ष 2009—10 में स्नातक स्तर के विभिन्न पाठयक्रमो में प्रवेश की क्षमता 2839 छात्रों की थी ।

चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य

92. वर्ष 2009—10 स्वास्थ्य सेवा जिला सोनीपत मे राज्य सरकार तथा प्राईवेट संस्थाओ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की एलोपेथी संस्थाओ द्वारा जिसमें 113 राज्य सरकार द्वारा तथा एक प्राईवेट सहायक प्राप्त संस्थाओ द्वारा सेवाए प्रदान की जा रही है । इन संस्थाओ में 2 अस्पताल 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जिनमें 17 ग्रामीण क्षेत्र तथा 2 शहरी क्षेत्र में 3 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 1डिस्पैन्सरी तथा 88 उप केन्द्र कार्यरत थे । इसके अतिरिक्त जिले में 24 आयुवैदिक डिस्पैन्सरी भी चिकित्सा सुविधाए प्रदान कर रही है । जिला में विशेष चिकित्सा के लिये एक क्षय रोग केन्द्र है ।

93. वर्ष 2009—10 में सरकारी संस्थाओ द्वारा 783055 रोगियो को चिकित्सा सेवाऐ प्रदान की गई । वर्ष 2009—10 में सरकारी संस्था में 154 विस्तर उपलब्ध थे । प्रत्येक एक लाख आबादी के लिए 11 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे

94. वर्ष 2010 में जिले में कुल जन्मो की संख्या 29200 थी जिनमें 11990 ग्रामीण तथा 17210शहरी क्षेत्र में जन्म हुए । वर्ष 2010 में मौतो की संख्या 8400 रही । जिसकी संख्या ग्रामीण 5371 तथा शहरी क्षेत्र में 3029 थी जिनमें से 158 एक वर्ष से कम उम्र की मौते हुई ।

95. वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में 16 परिवार कल्याण केन्द्र कार्यरत थे । वर्ष 2009—10 में नसबन्दी के कुल 4572 केसिज किये गये जिनमें से पुरुषो के 641 तथा महिलाओ के 3931 कैसिज थे । वर्ष 2009—10 के दौरान आई0यू0डी0 प्रयोग करने वाले व्यक्तियो की संख्या11136 थी ।

96. सुरक्षित पेयजल

जिला सोनीपत में पेयजल परियोजना के अधीन जिले के सभी गावो में पेयजल की सुविधा प्रदान की जा चुकी है ।

97. कल्याण विभाग,

अनुसूचित जातियां व पिछडे वर्ग

वर्ष 2009—10 मे अन्तरजातीय विवाह करने वाले 3 जोडो को 1,50,000रु की सहायता प्रदान की गई । विद्यार्थी सहायता योजना के अर्न्तगत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी प्रोत्साहन के रूप मे 595 विद्यार्थियों को 52.10 लाख राशी प्रदान की गई ।

98. वर्ष 2009—10 में मकान अनुदान योजना अनुसूचित/विमुक्त जाति के अर्न्तगत 270 परिवारो का 23.50लाख रुपये की राशि का अनुदान दिया गया इस स्कीम में उन व्यक्तियो को जिनके पास कच्चा मकान हो व 50 वर्ग गज का प्लाट हो उन्हे 50,000 रुपये का अनुदान दिया जाता है ।

99. कानूनी सहायता के अन्तर्गत वर्ष 2009—10 के दौरान किसी भी अनुसूचित जाति के परिवार की सहायता नही की गई । इस स्कीम से किसी भी अनुसूचित जाति के व्यक्ति का जिसका स्वर्ण जाति के व्यक्ति के साथ न्यायलय में मुकदमा चल रहा हो उसका पैरवी हेतू बतौर वकील की फीस का अनुदान दिया जाता है ।

100— हरिजन बस्ती सुधार स्कीम के अर्न्तगत 2 ग्राम पंचायतो में 100000 राशी वितरित की गई । इस स्कीम में किसी भी गांव में अनुसूचित जाति बस्तियो की नालियां गलिया पक्का करवाने हेतू अधिक से अधिक 50,000/— रुपये की सहायता दिये जाने का प्रावधान है ।

101. अनुसूचित जाति विमुक्त जाति तथा टपरावास जाति की विधवाओ की 1178 लड़कियो की शादी के लिये Indra Gandhi Priyadarshni Vivah Shagun Yojna स्कीम के अर्न्तगत 209 लाख रुपये के अनुदान की सहायता दी गई ।

102. पोस्ट मैट्रिक छात्र वृति योजना के अर्न्तगत वर्ड्ड के दौरान अनुसूचित जाति के 263 छात्रो को 57.48 लाख की राशि सहायता के रुप में दी गई । सिलाई सिखने की योजना के अर्न्तगत 150 महिलाऔ पर कुल 189466 रु खर्च किया गया ।

103— वृद्वावस्था व अन्य पैंशन

वर्ष 2010—11 के दौरान जिला सोनीपत में वृद्वावस्था पैंशन के अर्न्तगत 84782 वृद्वो को 500/700— रुपये प्रति मास की दर से कुल 47.86 करोड़ रुपये विधवा पैंशन योजना के अर्न्तगत 30766 लाख पात्रो को 22.55 करोड़ रुपये तथा 9700 विकलांग व्यक्तियो को 5.70 करोड़ रुपये पैंशन के रुप में वितरित किये गए।

विविध

104. नगरपालिकाए

वर्ष 2009—10 के दौरान जिले में ं 7304.09 लाख रुपये की आय हुई जबकि 2008—09 में 8302.92 लाख रुपये की आय थी ं।

105. जिला राजस्व

जिला राजस्व में वर्ष 2009—10 में निम्नलिखित साधनों से राजस्व की प्राप्ति हुई । हरियाणा मूल्य वर्धित कर से 4801153 हजार रुपये केन्द्रीय ब्रिक्री कर से 710957 हजार रुपये मनोरेजन कर से 1.89 हजार तथा शो कर से कोई आय नही हुई । जबकि वर्ष 2008—09 में हरियाणा सामान्य ब्रिक्री कर से 3545261 हजार रुपये केन्द्रीय ब्रिक्री कर से 652660 हजार रुपये की आय हुई ।

106. वर्ष 2009—10 में जिला सोनीपत में रजिस्ट्री कार्यालयो की संख्या 4 थी जिनमें 23687 अनिवार्य अचल तथा 2367 एच्छिक अचल सम्पतियों की रजिस्ट्री हुई इन अन्तरित सम्पतियो का समस्त मूल्य 23108999 हजार रुपये था । इससे सरकार को 97931 हजार रुपये की आय हुई ।

107— पुलिस तथा अपराध

जिला सोनीपत में 2010 में 15 पुलिस स्टेशन तथा 19 पुलिस चौकियां कार्यरत थी । जिले में इस वर्ष के दौरान 4328 अपराध हुए जिनमें से 73 हत्या के, 8 केस लूट के 207 केस सेंध चोरी तथा 3021 केस विविध अपराधों से सम्बंधित थे । जबकि वर्ष 2009 में कुल 4501 सभी प्रकार के अपराध हुए ।

108— हरियाणा सरकार के कर्मचारी

जिला सोनीपत में 31 मार्च 2010 को हरियाणा सरकार के अधीन कार्यालयों में 18751 कर्मचारी कार्यरत थे । जिनमें 12341 पुरुष 6410 महिलाए थी । जिस में 3719 अनुसूचित जाति के तथा 2246 पिछडे वर्ग के कर्मचारी थे

तालिका :— जिला सोनीपत में हरियाणा सरकार के कर्मचारी 31—03—2010

श्रेणी	कुल		अनुसूचित जाति		पिछड़ा वर्ग	
	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रिया
वर्ग—1	136	26	18	4	6	
वर्ग—2	749	326	893	31	59	17
वर्ग—3	7830	2860	1166	220	909	205
वर्ग—4	2809	443	953	206	354	85
फुटकर	817	2755	298	470	79	532
कुल	12341	6410	2518	1201	1407	839

109. मंनोरजन

जिला सोनीपत में 8 सिनेमा घर है । इनमें से 5 सिनेमा घर सोनीपत में 1 सिनेमा घर गोहाना तहसील में तथा शेष सिनेमा घर बन्द पड़े है

110. टेलीविजन सेट

जिला सोनीपत में वर्ष 2009—10 में सामुदायिक टेलीविजन लगाने की परियोजना अर्न्तगत शून्य टेलिविजन सेट लगाए गये

111. विकेन्द्रीकरण योजना

जिला सोनीपत में विकेन्द्रीकरण योजना के अर्न्तगत वर्ष 2009–10 के दौरान 1536.50 लाख रुपये की राशि जिले के विभिन्न विकास कार्यो के लिये जारी की गई ।

112–खेलकूद

जिला सोनीपत खेल कूद प्रतियोगिता में कभी पीछे नही रहा है । इस जिले में अपनी ही प्रकार का हरियाणा का एक मात्र स्पोंटस स्कूल राई में है । यहां पर खेल कूद के लिए एक बहुत बड़ा स्टेडियम बना हुआ है । यहां पर जिमनास्टिक हाकी तथा वालीबाल की प्रतियोगिता का आयोजन समय– समय पर होता है ।

113. चुनाव एंव मतदाता

वर्ष 2009 में जिला सोनीपत में मतदाताओ का कुल संख्या 1092973 है तथा विधान सभा क्षेत्र क्रमशः सोनीपत –राई, बरोदा, रोहट, गन्नौर तथा गोहाना है । लोक सभा हल्का सोनीपत के अर्न्तगत 9 विधान सभा क्षेत्र आते है । जिसमें से 2 जिला जीन्द में सफीदो व जुलाना एक जिला झज्जर में बहादुरगढ आता है ।

————————————

परिशिष्ट –3

जिला एक दृष्टि में

चुने हुए सूचकांक

1	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि0म0 2001	603
2	कुल जनसंख्या पर ग्रामिण जनसंख्या प्रतिशत	74.88
3	कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या का प्रतिशत 2001	25.12
4	कुल जनसंख्या पर 0–6 आयु वर्ग का जनसंख्या का प्रतिशत 2001	15.12
5	कुल जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	839
6	ग्रामिण जनसंख्या में लिंगानुपात	837
7	शहरी जनसंख्या में लिंगानुपात	847
8	0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	783
9	साक्षरता 2001	
	पुरुष	83.95
	स्त्रियां	61.65
10	कुल बाये गये क्षैत्र का कुल क्षैत्र से प्रतिशतता	95.32
11	एक बार से अधिक बोये गये क्षैत्र का कुल बाये गये क्षैत्र से प्रतिशतता	90.19
12	कुल बोये गये क्षैत्र की कुल निवल बोये गये क्षैत्र से प्रतिशतता	95.62
13	गांव के विद्युतिकरण की प्रतिशतता	100.00
14	स्कूल जाने वाले प्रति 1000 बच्चों पर स्कूलों की संख्या 2009–10	
	प्राथमिक	12
	माघ्यमिक	10
	उच्चत्तर	78
15	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे बिस्तरों की संख्या	11
16	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे अस्पतालों की संख्या	1
17	प्रति बैंक के पीछे व्यक्तियों की संख्या 2009–10	8585
18	प्रति 100 वर्ग कि0मी0 क्षैत्र पर पक्की सतह सड़कों की लम्बाई	47.32
19	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे डाक्टरों की संख्या	14
20	प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केंन्द्रों की संख्या	1